BA-III (H)
मैथिली प्रतिष्ठा
पेपर - VI
आधुनिक मैथिली काव्य

1

प्रो० सुजीत कु० राम
(अतिथि सहायक प्राध्यापक)
मैथिली विभाग
R.S.J. College, Rajnagar
Madhubani (Bihar)

— चन्दा झाक अप्रकाशित कृति

(i) अहिल्याचरित नाटक : एहि मे राजपण्डित बलदेव मिश्रक कहब छनि जे चन्दा झा एहि नाटकक निर्माण कएने रहथि। एकर एक अंक मात्र राजपुस्तकालय मे सुरक्षित अछि। किछु अंश 17 फरवरी, 1912 ई० केर मिथिला मिहिर मे प्रकाशित अछि। अतः ई नाटक अपूर्ण अछि तथा स्वतन्त्र रूपें एकर प्रकाशन नहि भेल अछि।

(ii) मूलग्राम विचार : चन्द्र पद्यावलीक भूमिका मे राजपण्डित बलदेव मिश्र लिखैत छथि जे मैथिली मूलग्राम विचार नामक एकटा ग्रन्थ लिखने छथि। एकर मात्र व्युत्पत्ति सेहो प्रचलित अछि।

(iii) छन्दोग्रन्थ :— राजपण्डित बलदेव मिश्रक अनुसार मीमांसक पण्डित विश्वधर मिश्र सँ इहो ज्ञात भेलनि जे चन्दा झा अपूर्व छन्दोग्रन्थक निर्माण कएने छथि, परन्तु स्वतन्त्र रूपें ओ उपलब्ध नहि भेल अछि। एहि प्रसंगक उल्लेख प्रो० शशिनाथ झा सेहो कएने छथि।

(iv) रस कौमुदी - एहि ग्रन्थक भाषा हिन्दी अछि।

(v) चन्द्रश्लोकावली - एहि संग्रह मे चन्दा झाक शताधिक प्रकाशित - अप्रकाशित सकल संस्कृत श्लोक संकलित कएलनि डा० विश्वेश्वर मिश्र श्लोकावलीक नाम सँ।

Scanned by TapScanner

(vi) चन्द्र कवितावली - एहि मे शताधिक हिन्दी कविता-संग्रहित कैल अछि। एकर सम्पादक छथि डॉ० विश्वेश्वर मिश्र

(vii) चन्द्रगद्यसंग्रह :- मैथिली गद्य, डायरी आदि मे सामाजिक, आर्थिक ओ राजनीतिक महत्वक विषय अछि। सम्पादक छथि डॉ० विश्वेश्वर मिश्र।

उपर्युक्त विवेचना से एव प्रकार स्पष्ट भए जाइत अछि जे विद्यापतिक पश्चात कवीश्वर चन्दा झा प्रथम कवि छलाह जे समसामयिक समस्या केँ नीक जकाँ चीन्हि ओकर प्रतीकारक हेतु जनसाधारण मे अपन रचना द्वारा मिथिला, मैथिल ओ मैथिलीक प्रति अनुराग उत्पन्न करबाक प्रयास कएल गेल अछि।

Sanjit Kumar Karn
07/04/24

Scanned by TapScanner